अध्याय–5
ऐतिहासिक स्मारक

6QI6QC

छुट्टी के दिन जरताज, सना और जैनब अपने पापा के साथ प्राचीन नालन्दा विश्वविद्यालय के खंडहर को देखने गए। सना ने शिक्षक से पूछकर निम्न बातों को अपनी डायरी में नोट किया था– ''हम लोग जिसे नालन्दा खंडहर कहते हैं, वास्तव में यह प्राचीन काल में एक विशाल विश्वविद्यालय था। नालन्दा विश्वविद्यालय संसार का प्रथम आवासीय विश्वविद्यालय था। गुप्त सम्राट कुमारगुप्त के संरक्षण में इसकी स्थापना पाँचवीं शताब्दी में हुई थी।''

जरताज ने भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण की पुस्तक पढ़ी और जाना– ''इसमें 10000 से भी अधिक छात्र थे और लगभग 2000 शिक्षक थे। इस ज्ञान केन्द्र ने विश्व के कोने–कोने से विद्वानों तथा छात्रों को आकर्षित किया। यहाँ कोरिया, जापान, चीन, तिब्बत, इंडोनेशिया तथा तुर्की आदि देशों से लोग पढ़ने–पढ़ाने के लिए आते थे।''

जैनब ने सूचना पट्टी पढ़कर नोट किया –

''8वीं से 12वीं शताब्दी के बीच इसका उत्कर्ष काल था। चीनी यात्री ह्वेनसांग यहाँ आकर पढ़े तथा पढ़ाए। 12वीं शताब्दी के अन्त तक इस विश्व प्रसिद्ध ज्ञान केन्द्र का अंत हो गया।''

गाइड ने बताया – ''इस विश्वविद्यालय का भवन प्राचीन कला का बेहतरीन नमूना है जो चारों तरफ से ऊँची–ऊँची दीवारों से घिरा था। इसका मुख्यद्वार शानदार था। इसमें आठ अलग–अलग प्रांगण तथा 10 मंदिर थे जिनमें अनेक ध्यानकेन्द्र थे।

पुस्तकालय क्षेत्र धर्मगंज कहलाता था, जो नौ मंजिली इमारत में स्थित था। इसमें तीन पुस्तकालय थे– रत्न दधि, रत्न रंजक तथा रत्न सागर।''

जरताज, सना और जैनब के पापा ने भी विश्वविद्यालय के बारे में चर्चा की–

''इसके प्रवेश द्वार पर चार द्वारपंडित होते थे, जो प्रवेश परीक्षा लेकर विश्वविद्यालय में प्रवेश देते थे।''

हम लोगों को खुश होना चाहिए कि इस विश्वविद्यालय को नए सिरे से पुनर्जीवित करने का प्रयास हो रहा है। यह कार्य पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के मार्गदर्शन में आरंभ हुआ तथा नोबेल पुरस्कार से सम्मानित भारत रत्न डॉ. अमर्त्य सेन एवं अन्य विशेषज्ञों की देखरेख में चल रहा है। प्राचीन विश्वविद्यालय की पुनर्स्थापना हम भारतवासियों के लिए गौरव की बात है।

विश्व के प्रथम आवासीय विश्वविद्यालय का नाम लिखिए।

———————————————————————————————

यह विश्वविद्यालय कहाँ है?

———————————————————————————————

इस विश्वविद्यालय में कहाँ–कहाँ से छात्र आते थे?

———————————————————————————————

———————————————————————————————

विश्वविद्यालय के भवन कैसे थे?

———————————————————————————————

———————————————————————————————

इसके पुस्तकालय के बारे में लिखिए।

———————————————————————————————

———————————————————————————————

नालंदा विश्वविद्यालय पर जानकारी बच्चों को किन–किन स्रोतों से मिली?

———————————————————————————————

———————————————————————————————

जानकारी के स्रोत और क्या–क्या हो सकते हैं? अपने साथियों एवं शिक्षक से चर्चा कर लिखिए।

(i) भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण द्वारा लिखे बोर्ड

(ii) ————————————————————

(iii) ————————————————————

(iv) ————————————————————

(v) ————————————————————

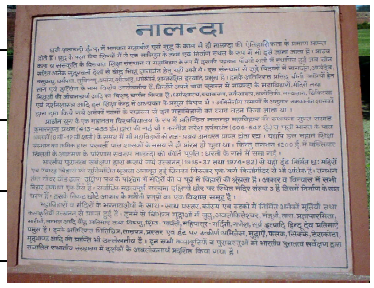

इन स्रोतों से जानकारी लेना हो तो क्या करेंगे? सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए।

(i) सिर्फ लिख लेंगे ( )

(ii) सिर्फ पढ़ लेंगे ( )

(iii) पहले पढ़ेंगे फिर लिख लेंगे और चर्चा करेंगे ( )

(iv) पढ़ कर चर्चा करेंगे मगर लिखेंगे नहीं ( )

उपर्युक्त में से आपने कौन सा विकल्प चुना और क्यों?

————————————————————————————————

————————————————————————————————

बिहार के स्मारक

बिहार प्राचीन ऐतिहासिक स्मारकों से भरा पड़ा है– चाहे मगध की राजधानी गिरिव्रज (राजगीर) हो या पाटलिपुत्र (वर्तमान पटना), नालन्दा में नालन्दा विश्वविद्यालय हो या भागलपुर स्थित विक्रमशिला विश्वविद्यालय। बोधगया महात्मा बुद्ध के लिए विख्यात है तो वैशाली भगवान महावीर की जन्मस्थली के लिए। बिहार में सिक्खों के अंतिम गुरु गुरुगोविन्द सिंह का जन्मस्थान पटना साहिब है और सूफी संतों का केन्द्र भी यही राज्य रहा है। प्राचीनकाल में सम्राट अशोक का राज्य भी रहा। उसने जनकल्याणकारी संदेशों के

साथ अनेक स्तम्भ बनवाए जो आज भी नंदन गढ़ लौरिया तथा कोल्हुआ में देखे जा सकते हैं। मोतिहारी के केसरिया में विश्व का सबसे ऊँचा तथा बड़ा बौद्ध स्तूप है।

अशोक स्तम्भ

वैशाली का स्तूप

केसरिया का स्तूप

पटना संग्रहालय दर्शनीय है तो पटना का गोलघर अद्वितीय है। गोलघर के ऊपर चढ़कर पटना शहर तथा गंगा दर्शन अच्छी तरह किया जा सकता है।

पटना का गोलघर

औरंगाबाद का देव सूर्य मन्दिर तथा पावापुरी का जल मन्दिर अद्भुत है।

औरंगाबाद का देव सूर्य मन्दिर

पावापुरी का जल मन्दिर

इन स्मारकों की वजह से हमें गर्व है।

बिहार की राजधानी के कुछ स्मारकों के बारे में लिखिए।

———————————————————————————————

———————————————————————————————

———————————————————————————————

———————————————————————————————

आपने कभी कोई दर्शनीय स्थल देखा हो तो उसके बारे में लिखिए।

———————————————————————————————

———————————————————————————————

कौन सा दर्शनीय स्थल कहाँ है?

दर्शनीय स्थल	**कहाँ है?**
जल मन्दिर	————————
महाबोधि मन्दिर	————————
देव सूर्य मन्दिर	————————
नालन्दा विश्वविद्यालय	————————
विक्रमशिला विश्वविद्यालय	————————
गोलघर	————————

अपने शिक्षक से सम्राट अशोक के बारे में जानकारी प्राप्त कीजिए।

———————————————————————————————

———————————————————————————————

ऐतिहासिक स्मारकों का संरक्षण कैसे संभव है? शिक्षक के साथ चर्चा कर लिखिए।

———————————————————————————————

———————————————————————————————

———————————————————————————————

आपके आस–पास के किसी भी स्मारक, पुराने या नए भवन के बारे में निम्नलिखित प्रश्नों के आधार पर जानकारी एकत्रित कीजिए।

(i) वह भवन/स्मारक कब बना?

_____

(ii) उसे किसने बनवाया?

_____

(iii) वह किन–किन सामग्रियों से बना हुआ है?

_____

_____

_____

(iv) वह भवन/स्मारक किस उद्देश्य से बनवाया गया होगा?

_____

_____

अध्यापक निर्देश– मुख्यमंत्री बिहार दर्शन योजना के अन्तर्गत बच्चों को ऐतिहासिक स्थल का दर्शन करायें।

क्या आप जानते हैं–

नालन्दा विश्वविद्यालय के निर्माण में ईंट, पत्थर आदि का इस्तेमाल किया गया है। उस समय सीमेंट की जगह सुरखी, चूना, उड़द की दाल, छोवा तथा गोंद का इस्तेमाल किया जाता था।